नईदुनिया
जबलपुर, रविवार, 22 फरवरी, 2026

पेज नं. 06

शासकीय

मानकुंवर की 17 छात्राओं को स्वर्ण और 25 को स्मृति पदक

मानकुंवर में पुरस्कार वितरण के दौरान उपस्थित छात्राएं। ● नईदुनिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर : भारत में गरीबी और भुखमरी जैसी धारणाएं भ्रामक थीं और इतिहासकारों ने गलत तथ्य बताए। पारंपरिक गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था को बाधित करने का कार्य भी विदेशी शासनकाल में हुआ था। शिक्षा जीवन का आधार है, और छात्राओं को निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को महत्व देना जरूरी है। विश्व के समस्त देश भारत को विश्व गुरु की ओर देख रहे हैं। उक्त विचार मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग के कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार ने व्यक्त किए। वे शनिवार को मानकुंवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय में वार्षिक स्नेह सम्मेलन, अलंकरण एवं शैक्षणिक पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

अलंकरण समारोह में 17 छात्राओं को स्वर्ण पदक व 25 छात्राओं को स्मृति पदक तथा प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए गए। सर्वाधिक छह स्वर्ण पदक व एक शील्ड प्रज्ञा लोधी को प्रदान की गई। अतिथियों ने सर्वश्रेष्ठ छात्रा प्रीति साहू को अकादमिक एवं शैक्षणेतर गतिविधियों में अव्वल आने पर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि विधायक डा. अभिलाषा पांडे बोलें- शिक्षा के माध्यम से छात्राएं समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

22/2/2026